मन रे गुरु वचनो में रहणो गुरु महिमा भजन लिरिक्स

मन रे गुरु वचनो में रहणो,
काम क्रोध री चोट ना लागे,
सत रे मार्ग वहणो,
मन रे गुरु वचनों में रहणो।bd।

भेद भरम ने छोड़ो आपणी,
संता आगे नमणो,
सत शब्दों री करो धारणा,
अज्ञान अंधारो हरणो,
मन रे गुरु वचनों में रहणो।bd।

गुरु जी रा वचन सत्य कर मानों,
हिरदै निशश्य करणो,
मैं तू का भेद मिटाओ,
सब घट आतम जाणो,
मन रे गुरु वचनों में रहणो।bd।

सोना रा जेवर न्यारा न्यारा,
है सब माही सोनो,
सत सोना री पारख करलो,
मिट जाए आणो जाणो,
मन रे गुरु वचनों में रहणो।bd।

गणपत राम गुरु कृपा किनी,
द्वेत नजर नहीं आणो,
पिरा राम की मेटी भ्रमना,
आनन्द माही समाणो,
मन रे गुरु वचनों में रहणो।bd।

मन रे गुरु वचनो में रहणो,
काम क्रोध री चोट ना लागे,
सत रे मार्ग वहणो,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

मन रे गुरु वचनों में रहणो।bd।

गायक / प्रेषक – पोपटसिंह सिसोदिया।
9828422095

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com